

## भारतीय रुपए का मूल्यहरास

### प्रलिस के लयः

भारतीय रुपए का अवमूल्यन, मुद्रा मूल्यहरास, मुद्रास्फीति, मूल्यहरास बनाम अवमूल्यन, अभिमूल्यन बनाम मूल्यहरास

### मेन्स के लयः

अर्थव्यवस्था पर भारतीय रुपए के मूल्यहरास का प्रभाव

## चर्चा में क्यों?

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में लगभग 10% की गरिावट आई और रुपया वर्ष 2022 में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा थी।

- यह गरिावट मुख्य रूप से वशिव के कई हसिसों में [मंदी](#) और [मुद्रास्फीति](#) की आशंकाओं तथा [रूस-यूक्रेन युद्ध](#) के बीच सुरकषति नविश अपील पर अमेरिकी मुद्रा में वृद्धि के कारण थी।

## वर्ष 2022 में रुपए का प्रदर्शन:

- वर्ष के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.2 के सर्वकालिक नचिले स्तर पर आ गया। रुपए की तुलना में अन्य एशियाई मुद्राओं का मूल्यहरास कुछ हद तक कम रहा।
  - वर्ष के दौरान चीनी युआन, फिलीपीन पेसो और इंडोनेशियाई रुपया में लगभग 9% गरिावट आई। दक्षिण कोरियाई वॉन और मलेशियाई रगिटि में क्रमशः लगभग 7% और 6% की गरिावट आई।
- हालाँकि [भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#) ने रुपए का बचाव करने के लिये वदिशी मुद्रा बाज़ार में बड़ा हस्तकषेप कया। वर्ष 2022 की शुरुआत से देश के वदिशी मुद्रा भंडार में 70 अरब डॉलर की गरिावट आई है। 23 दसिंबर, 2022 तक यह 562.81 अरब डॉलर था।
- भंडार में थोड़ी कमी देखी गई है, लेकनि केंद्रीय बैंक अब फरि से अपने भंडार को बढ़ाना शुरू कर रहा है जो अनश्चितता के समय में बफर के रूप में कार्य करेगा।

## पूजी बहरिवाह का कारण:

- अमेरिकी फेडरल रज़िर्व ने मुद्रास्फीति के खलिाफ अपनी लड़ाई में वर्ष 2022 में आकरामक रूप से ब्याज़ दरों में 425 आधार अंक (BPS) की वृद्धि की। इससे अमेरिका एवं भारत के बीच ब्याज़ दरों में अंतर बढ़ गया तथा नविशकों ने घरेलू बाज़ार से पैसा निकाल लिया और उच्च ब्याज़ दरों का लाभ प्राप्त करने के लिये अमेरिकी बाज़ार में नविश करना शुरू कर दिया।
- वर्ष 2022 में [वदिशी पोर्टफोलियो नविशकों \(FPI\)](#) ने भारतीय बाज़ारों से 1.34 लाख करोड़ रुपए निकाले जो अब तक का सबसे अधिक वार्षिक शुद्ध बहरिवाह है।
  - उन्होंने रुपए पर दबाव डालते हुए वर्ष 2022 में शेयर बाज़ारों से 1.21 लाख करोड़ रुपए और ऋण बाज़ार से 16,682 करोड़ रुपए निकाले।
- रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के कारण FPI नकिसी में काफी बढ़ोतरी हुई, जबकि वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण अंतरवाह और कठनि हो गया।

## भारतीय रुपए के अवमूल्यन का प्रभाव:

- सकारात्मक प्रभाव:**
  - सैद्धांतिक रूप से कमज़ोर रुपए को भारत के नरियात को बढ़ावा देना चाहिये लेकनि अनश्चितता और कमज़ोर वैश्विक मांग के माहौल में रुपए के मूल्य में बाहरी गरिावट उच्च नरियात में परिवर्तति नहीं हो सकती है।
- नकारात्मक प्रभाव:**
  - यह आयातति मुद्रास्फीति का जोखमि उत्पन्न करता है और केंद्रीय बैंक के लिये ब्याज़ दरों को रकिॉर्ड स्तर पर लंबे समय तक बनाए

रखना मुश्किल बना सकता है।

- भारत अपनी घरेलू तेल आवश्यकता के दो-तर्हार्ड से अधिक की पूरतआयात के माध्यम से करता है।
- भारत **खाद्य तेलों के शीर्ष आयातक देशों में से एक है।** एक कमज़ोर मुद्रा आयातति खाद्य तेल की कीमतों को और अधिक बढ़ाएगी तथा उच्च खाद्य मुद्रास्फीतको बढ़ावा देगी।

## वर्ष 2023 हेतु रुपए का परदृश्यः

- भले ही नकिट भवषिय में रुपए का परदृश्य कमज़ोर रहने वाला है, **स्थानीय मुद्रा में मूल्यहरास लंबे समय के लयि नहीं रहने वाला है** क्योंकि भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रुप में उभर रहा है।
- हालाँकि यूएस फेड की टर्मनिल ब्याज़ दर का अनुमान लगाया गया था, **लेकिन उनकी मौद्रकि नीतकि संबंध में सख्ती को अनश्चितकाल तक नहीं रखा जा सकता है।**
- (यूएस फेड) सख्ती खत्म होने के साथ **परसिथतियों में बदलाव नश्चित रूप से अपेक्षति है।**

## मुद्रा का अधमूल्यन और अवमूल्यनः

- लचीली वनिमिय दर प्रणाली (Floating Exchange Rate System) में बाज़ार की ताकतें (मुद्रा की मांग और आपूरत) मुद्रा का मूल्य नरिधारति करती हैं।
- **मुद्रा अधमूल्यनः** यह कसिी अन्य मुद्रा की तुलना में एक मुद्रा के मूल्य में वृद्धि है।
  - सरकार की नीत, ब्याज़ दर, व्यापार संतुलन और व्यापार चक्र सहति कई कारणों से मुद्रा के मूल्य में वृद्धि होती है।
  - मुद्रा अधमूल्यन कसिी देश की नरियात गतविधि को हतोत्साहति करता है क्योंकि वदिशों से वस्तुएँ खरीदना सस्ता हो जाता है, जबकि वदिशी व्यापारियों द्वारा खरीदी जाने वाली देश की वस्तुएँ महँगी हो जाती हैं।
- **मुद्रा अवमूल्यनः** यह एक लचीली वनिमिय दर प्रणाली में मुद्रा के मूल्य में गरिावट है।
  - आर्थकि बुनयादी संरचना, राजनीतकि असथरिता या जोखमि से बचने के कारण मुद्रा अवमूल्यन हो सकता है।
  - मुद्रा मूल्यहरास देश की नरियात गतविधि को प्रोत्साहति करता है क्योंकि इससे वस्तु और सेवाएँ खरीदना सस्ता हो जाता है।

## अवमूल्यन और मूल्यहरासः

- हालाँकि इन्हें लागू करने के तरीके में अंतर है।
- सामान्य तौर पर अवमूल्यन और मूल्यहरास प्रायः एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग कयि जाते हैं।
- इन दोनों का एक ही प्रभाव है- **मुद्रा के मूल्य में गरिावट जो आयात को अधिक महँगा बनाती है, और नरियात को अधिक प्रतसिपर्द्धी बनाती है।**
- अवमूल्यन तब होता है जब कसिी देश का केंद्रीय बैंक अपनी वनिमिय दर को एक नश्चिति या अर्द्ध-स्थरि वनिमिय दर के रूप में कम करने का नरिणय लेता है।
- **मूल्यहरास तब होता है जब एक मुद्रा के मूल्य में अस्थायी वनिमिय दर के कारण गरिावट होती है।**

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लयि सरकार/RBI द्वारा नमिनलखिति में से कौन सा सबसे संभावति उपाय नहीं है? (2019)

- (a) गैर-आवश्यक वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाना और नरियात को बढ़ावा देना।
- (b) भारतीय उधारकर्त्ताओं को रुपया मूल्यवर्ग मसाला बॉण्ड जारी करने के लयि प्रोत्साहति करना।
- (c) बाहरी वाणज्यिकि उधार से संबंधति शर्तों को आसान बनाना।
- (d) वसितारवादी मौद्रकि नीतकि अनुसरण।

उत्तरः (d)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयिः

कसिी मुद्रा के अवमूल्यन का प्रभाव यह होता है कविह आवश्यक रूप सेः

1. वदिशी बाज़ारों में घरेलू नरियात की प्रतसिपर्द्धात्मकता में सुधार करता है।
2. घरेलू मुद्रा के वदिशी मूल्य को बढ़ाता है।
3. व्यापार संतुलन में सुधार करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. विश्व व्यापार में संरक्षणवाद और मुद्रा चालबाज़ियों की हाल की घटनाएँ भारत की समष्टिआर्थिक स्थिरता को किस प्रकार से प्रभावित करेंगी? (मुख्य परीक्षा, 2018)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/depreciation-of-indian-rupee-2>

